



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 762]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 29, 2016/चैत्र 9, 1938

No. 762]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 29, 2016/CHAITRA 9, 1938

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मार्च, 2016

का.आ. 1247(अ)—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उप-धारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उप-धारा (3) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करी दी जाती है, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आक्षेप या सुझाव देने में हितबद्ध है, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, आक्षेप या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली – 110003 या ई-मेल पते: esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकेगा।

प्रारूप अधिसूचना

जलदापाडा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वारा जिले में 234.51 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

और, प्राणी और वनस्पति इस अभयारण्य की समृद्ध जैविक महत्ता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

और, जलदापाडा राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट है, पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिक संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिक संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः इसलिए, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उप-धारा (3) और उप-धारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पश्चिम बंगाल में जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 5 किलोमीटर तक के विस्तार तक के क्षेत्र को जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान पारिस्थितिक संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिक संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात्:-

1. पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं—(1) पारिस्थितिक संवेदी जोन जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर 5 किलोमीटर के विस्तार तक 458 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और ऐसे जोन की सीमा का वर्णन **उपाबंध I** के रूप में उपाबद्ध है।

2. पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर आने वाले ग्रामों की सूची मुख्य बिन्दुओं के समन्वयक सहित **उपाबंध II** के रूप में उपाबद्ध है।

3. पारिस्थितिक संवेदी जोन का मानचित्र उसकी सीमा के व्यौरों और अक्षांश और देशांतर सहित **उपाबंध III** के रूप में उपाबद्ध है।

2. पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना—(1) राज्य सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में संलग्न अनुबंधों के सामंजस्य से आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) आंचलिक महायोजना राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होगी।

(3) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस तरह, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रूप तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के सामंजस्य और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिदेशों, यदि कोई हो, द्वारा तैयार करेगी।

(4) आंचलिक महायोजना, पर्यावरणीय और पारिस्थितिक विचारों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के सभी संबद्ध विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:-

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन;
- (iii) नगर विकास;
- (iv) पर्यटन;
- (v) नगरपालिका;
- (vi) राजस्व;
- (vii) कृषि;
- (viii) पश्चिम बंगाल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;
- (ix) सिंचाई; और
- (x) लोक निर्माण विभाग।

(5) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो और आंचलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में और अधिक दक्षता और पारिस्थितिक अनुकूलता का संवर्धन करेगी।

(6) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिक और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलूओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे।

(7) आंचलिक महायोजना सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बंदोबस्तों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोधान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यंकन करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना स्थानीय समुदायों की जीवकोपार्जन को सुनिश्चित करने के लिए, पारिस्थितिक संवेदी जोन में विकास को पारिस्थितिक अनुकूल विकास के लिए विनियमित करेगी।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय- राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू- उपयोग**—पारिस्थितिक संवेदी जोन में वनों, उद्यान -कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्र, आमोद – प्रमोद के प्रयोजन के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक और औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा:

परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर कृषि भूमि का संपरिवर्तन, मानीटरी समिति की सिफारिश पर और राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, स्थानीय निवासियों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए और पैरा 4 की सारणी के स्तंभ (2) के अधीन मद सं. 10, 21, 31, 35, और सं. 36 के सामने सूचीबद्ध क्रियाकलापों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात होंगे, अर्थात्:

- (i) पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलापों के लिए पर्यटकों के अस्थायी आवासन के लिए पारिस्थितिक अनुकूल आरामगाह जैसे टेंट, लकड़ी के मकान आदि;
- (ii) विद्यमान सड़कों को चौड़ा और सुदृढ़ बनाना ;
- (iii) प्रदूषण कारित न करने वाले लघु उद्योग;
- (iv) कुटीर उद्योग, जिसके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग, सुविधा भंडार और स्थानीय सुख- सुविधाएं हैं;
- (v) वर्षा जल संचयन :

परंतु यह और कि जनजातीय भूमि का उपयोग राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंध के अनुपालन के बिना, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या उद्योग विकास क्रियाकलापों के लिए अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर भू- अभिलेखों में उपसंजात कोई त्रुटि, मानीटर समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार संशोधित होगी और उक्त त्रुटि के संशोधन की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को देनी होगी।

परंतु यह और भी कि उपर्युक्त त्रुटि का संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन समिलित नहीं होगा।

परंतु यह और भी कि जिससे हरित क्षेत्र में जैसे वन क्षेत्र, कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोतों**—आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और पुनरुद्धूतकरण के लिए योजना समिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिपिद्ध करने के लिए ऐसी रीति से मार्गनिर्देश तैयार किए जाएंगे।

(3) **पर्यटन**.—(क) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप पर्यटन महायोजना के अनुसार होंगे जो कि आंचलिक महायोजना के अनुसार होंगे जो कि आंचलिक महायोजना के भाग रूप में होगी।

(ख) पर्यटन महायोजना पर्यटन, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राजस्व और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी।

(ग) पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नलिखित के अधीन विनियमित होंगे, अर्थात्:

- i. पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धातों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्यावर संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिक पर्यटन (समय – समय पर यथा संशोधित) मार्गदर्शक सिद्धातों के अनुसार, पारिस्थितिक शिक्षा और पारिस्थितिक विकास को महत्व देते हुए पारिस्थितिक संवेदी जोन की वहन क्षमता के अध्ययन पर आधारित होगा;
- ii. पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटक क्रियाकलापों के संबंध में अस्थायी अधिभोग के लिए वास सुविधा के सिवाय जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से एक किलोमीटर भीतर होटल और रिसोर्ट का नया संनिर्माण अनुज्ञात नहीं होगा;
परंतु संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा तक नए होटल और रिसोर्ट की स्थापना पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिक पर्यटन सुविधा के लिए पूर्व परिभाषित और विनिर्दिष्ट स्थान में ही अनुज्ञात किया जाएगा;
- iii. आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संविधा तथा मानीटरी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया होगा;

(4) **नैसर्गिक विरासत**.—पारिस्थितिक संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे सभी जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातों आदि की पहचान की जाएगी और उन्हें संरक्षित किया जाएगा तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षा के लिए इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर, उपयुक्त योजना बनाएगी और ऐसी योजना आंचलिक महायोजना का भाग होगा।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल**.—पारिस्थितिक संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान करनी होगी और इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से छह माह के भीतर उनके संरक्षण की योजनाएं तैयार करनी होगी तथा आंचलिक महायोजना में सम्मिलित की जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण**.—पारिस्थितिक संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा।

(7) **वायु प्रदूषण**.—पारिस्थितिक संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा।

(8) **बहिस्त्राव का निस्सारण**.—पारिस्थितिक संवेदी जोन में उपचारित बहिस्त्राव का निस्सारण, जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट**.—ठोस अपशिष्टों का निपटान निम्नलिखित रूप में होगा -

- (i) पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 908(अ), तारीख 25 सितंबर, 2000 नगरपालिक ठोस अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 2000 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ;

- (ii) स्थानीय प्राधिकरण जैव नियन्त्रिकरणीय और अजैव नियन्त्रिकरणीय संघटकों में ठोस अपशिष्टों के संपृथक्कन के लिए योजनाएं तैयार करेंगे;
- (iii) जैव नियन्त्रिकरणीय सामग्री को अधिमानतः खाद बनाकर या कृमि खेती के माध्यम से पुनःचक्रित किया जाएगा;
- (iv) अकार्बनिक सामग्री का निपटान पारिस्थितिक संवेदी जोन के बाहर पहचान किए गए स्थल पर किसी पर्यावरणीय स्वीकृत रीति में होगा और पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों को जलाना या भृमीकरण अनुज्ञात नहीं होगा।

(10) **जैव चिकित्सीय अपशिष्ट**.—पारिस्थितिक संवेदी जोन में जैव चिकित्सीय अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और बन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 630(अ) तारीख 20 जुलाई, 1998 द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सीय अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 1998 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(11) **यानीय परिवहन**.—परिवहन की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध अधिकथित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के द्वारा अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति प्रवृत्त नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय गतिविधियों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

(12) **औद्योगिक इकाईयां**.—(क) प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन में विधि के अनुसार स्थापित विद्यमान काष्ठ आधारित उद्योगों के सिवाय नए काष्ठ आधारित उद्योगों की स्थापना को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ख) जल, वायु, मृदा, ध्वनि प्रदूषण कारित करने वाले किसी नए उद्योग की प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन में स्थापना को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

4. पारिस्थितिक संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों की सूची- पारिस्थितिक संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों और तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई तालिका में विनियमित होंगे, अर्थात् :—

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	टीका- टिप्पणी
(1)	(2)	(3)
प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यक खनन, पत्थर उत्खनन और उनको तोड़ने की इकाईयां।	(क) सभी नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और उनको तोड़ने की इकाईयां वास्तविक स्थानीय निवासियों की धरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए भूमि को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का संनिर्माण के संदर्भ में प्रतिषिद्ध होंगी अन्यथा नहीं ; (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत सरकार के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत सरकार के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के अंतरिम आदेश के अनुसरण में सर्वदा प्रचालन होगा।

2.	आरा मीलों की स्थापना।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मीलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।
3.	किसी परिसंकटमय पदार्थों का उपयोग या उत्पादन।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।
4.	जल या वायु या मृदा या ध्वनि प्रदूषण कारित करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मीलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।
5.	नई बृहत जल विद्युत परियोजना और सिंचाई परियोजना की स्थापना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।
6.	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।
7.	प्लास्टिक के थैलो का उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।
8.	पर्यटन से संबंधित क्रियाकलाप जैसे गर्म वायु गुब्बारों आदि द्वारा राष्ट्रीय उद्यान के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।
9.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिर्भाव और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।

विनियमित क्रियाकलाप

10.	होटलों और रिसोर्टों की स्थापना।	पारिस्थितिक पर्यटन क्रियाकलाप से संबंधित पर्यटकों के अस्थायी व्यवसाय के लिए आवास के संबंध में पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर ही नए वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों को अनुज्ञात किया जाएगा अन्यथा नहीं: तथापि, 1 किलोमीटर से परे और पारिस्थितिक संवेदी जोन के विस्तार तक सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना और राष्ट्रीय व्याप्र संरक्षण प्राधिकरण के मार्गदर्शक सिद्धांतों की अनुरूपता में होगा।
11.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की 500 मीटर की सीमा के भीतर किसी भी प्रकार के नए वाणिज्यिक संनिर्माण को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परंतु स्थानीय लोगों को पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित उनके आवासीय उपयोग के लिए उनकी भूमि में संनिर्माण करने की अनुमति दी जाएगी। (ख) प्रदूषण कारित न करने वाले लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलापों को विनियमित किया जाएगा और लागू नियमों और विनियमों के अनुसार, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से ही न्यूनतम पर रखे जाएंगे। (ग) 1 किलोमीटर से आगे और पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा के विस्तार तक सद्व्यवपूर्वक स्थानीय आवश्यकताओं के लिए संनिर्माण और अन्य संनिर्माण क्रियाकलापों को महायोजना के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

		(घ) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर संनिर्माण क्रियाकलापों आंचलिक महायोजना के अनुसार होंगे।
12.	ट्रेन्चिंग ग्राउंड।	नए ट्रेन्चिंग ग्राउंड की स्थापना प्रतिपिछ्व है। पुराने ट्रेन्चिंग ग्राउंड को लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
13.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्त्रवि और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
14.	वायु और यानिक प्रदूषण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
15.	ध्वनि प्रदूषण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
16.	भू-जल की निकासी	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
17.	वृक्षों की कटाई।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में किंही वृक्षों की कटाई नहीं होगी। (ख) वृक्षों की कटाई संवंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपर्युक्त के अनुसार विनियमित होगी। (ग) आरक्षित वनों और संरक्षित वनों की दशा कार्ययोजना में दिए गए विवरण का अनुसरण किया जाएगा।
18.	पर्यावासी चारवाहे।	लागू विधियों और आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित।
19.	विद्यमान स्थापना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
20.	विद्युत लाईनों का इन्सुलेशन।	भूमिगत केबल डालने का संवर्धन किया जाएगा। सभी विद्यमान विद्युत लाईनों जो पारिस्थितिक संवेदी जोन से होकर गुजरती हैं, को आंचलिक महायोजना के अधीन विहित समय-सूची में पर्याप्त रूप से इन्सुलेट किया जाएगा।
21.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना।	उचित पर्यावरण समाधात निर्धारण और न्यूनीकरण उपाय यथा लागू अनुसार होंगे।
22.	होटलों और लॉज के विद्यमान परिसरों में बाड़ लगाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे। वन्यजीव के मुक्त संचलन को अनुज्ञात करने के लिए पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर होटलों या अन्य वाणिज्यिक स्थापना अपनी परिसंपत्तियों में काटेदार से बाड़ नहीं लगाएंगे और कोई भी बाड़ एक मीटर से ऊंची नहीं होगी। कोई विद्यमान बाड़ जो इस उपदर्शक का अनुपालन नहीं करती है, को आंचलिक महायोजना में वर्णित समय सीमा के अनुसार उपांतरित किया जाएगा।
23.	लोक अधिकार।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
24.	लघु चारे का संग्रहण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
25.	कृषि प्रणालियों में आमूल परिवर्तन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।

26.	प्राकृतिक जल संसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग जिसके अंतर्गत भू-जल संचयन भी है।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
27.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
28.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
29.	साइनबोर्ड और होर्डिंग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
30.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	सिवाय आंचलिक महायोजना के अधीन अनुज्ञात के संनिर्माण क्रियाकलापों को 1 से 10 से अधिक ढाल वाली पहाड़ियों पर और किसी नदी और प्राकृतिक नाले से लगभग 100 मीटर तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।
31.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग।	पारिस्थितिक संवेदी जोन से गैर प्रदूषण, गैर परिसंकटमय, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या कृषि आधारित देशीय माल से उद्योग उत्पादों का उत्पादन उद्योग और जो पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं ढालते हैं, को अनुज्ञात किया जाएगा।

संवर्धित क्रियाकलाप

32.	स्थानीय समुदायों द्वारा चलाई जा रही कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, पशुपालन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
33.	जैविक कृषि।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिक को ग्रहण करना।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	कुटीर उद्योगों, जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर आदि भी हैं	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
36.	वर्षा जल संचयन।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाए।
37.	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत का उपयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाए।

5. मानीटरी समिति।—(1) केंद्रीय सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के प्रभावी मानीटरी के लिए एक मानीटरी समिति का गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

- (i) उपायुक्त, अलीपुरद्वारा -सदस्य;
- (ii) पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा पारिस्थितिक और पर्यावरण के क्षेत्र से एक वर्ष की अवधि के लिए नामनिर्दिष्ट किया जाने वाला एक प्रतिनिधि -सदस्य;
- (iii) भारत सरकार द्वारा वाले गैर-सरकारी संगठनों का (पर्यावरण, जिसके अंतर्गत विरासत संरक्षण है, के क्षेत्र में कार्य करने वाले) एक वर्ष की अवधि के लिए नामनिर्दिष्ट एक प्रतिनिधि -सदस्य;
- (iv) कार्यपालक इंजीनियर, पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड -सदस्य;

(v)	प्रभागीय वन अधिकारी (बक्सा बाघ आरक्षिती)	-सदस्य;
(vi)	प्रभागीय वन अधिकारी (जलदापाडा)	-सदस्य;
(vii)	मुख्य वन परिरक्षक	-सदस्य-सचिव

6. निर्देश निबंधन

(1) पारिस्थितिक संवेदी जोन समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

(2) पारिस्थितिक संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में के अधीन सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण निकासी के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी।

(3) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन यथाविनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(4) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त, ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(5) मानीटरी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पण्धारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(6) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक की राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट उपाबंध IV पर उपाबद्ध रूप विधान के अनुसार उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।

(7) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निदेश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभाव देने के लिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगे।

8. इस अधिसूचना के उपबंध, भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले किसी आदेश, यदि कोई हों, के अधीन होंगे।

[फा. सं. 25/175/2015-ईएसजेड-आरई]

डॉ. टी. चांदनी, वैज्ञानिक 'जी'

पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा के साथ चारों दिशाओं के ग्रू-निर्देशांक							
पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा के निर्देशांक जलदपादा राष्ट्रीय उद्यान							
1	26°47'6.02"उ	18	26°33'48.16"उ	35	26°35'8.10"उ	52	26°44'45.52"उ
	89°11'57.04"पू		89°12'7.80"पू		89°27'31.24"पू		89°22'38.13"पू
2	26°44'57.33"उ	19	26°32'54.50"उ	36	26°36'21.04"उ	53	26°47'6.55"उ
	89°12'45.05"पू		89°12'9.28"पू		89°26'42.25"पू		89°22'29.62"पू
3	26°43'16.42"उ	20	26°31'47.61"उ	37	26°36'22.81"उ	54	26°47'57.69"उ
	89°13'41.23"पू		89°12'11.93"पू		89°23'47.85"पू		89°23'36.19"पू
4	26°43'23.71"उ	21	26°30'42.09"उ	38	26°37'31.76"उ	55	26°48'24.56"उ
	89°11'39.75"पू		89°12'13.78"पू		89°23'55.72"पू		89°24'26.68"पू
5	26°41'58.47"उ	22	26°30'15.75"उ	39	26°38'21.56"उ	56	26°48'49.13"उ
	89°11'45.01"पू		89°13'56.16"पू		89°23'18.83"पू		89°25'7.76"पू
6	26°41'10.20"उ	23	26°29'49.10"उ	40	26°39'29.01"उ		
	89°12'40.26"पू		89°14'45.89"पू		89°23'14.25"पू		
7	26°41'10.66"उ	24	26°29'41.51"उ	41	26°40'3.20"उ		
	89°13'42.65"पू		89°16'6.87"पू		89°23'6.33"पूपू		
8	26°40'1.63"उ	25	26°29'37.81"उ	42	26°40'5.68"उ		
	89°13'35.94"पू		89°17'44.98"पू		89°23'30.12"पू		
9	26°38'37.07"उ	26	26°29'17.53"उ	43	26°40'32.31"उ		
	89°13'33.04"पू		89°18'29.02"पू		89°23'21.50"पू		
10	26°38'22.00"उ	27	26°29'35.27"उ	44	26°40'51.13"उ		
	89°13'6.91"पू		89°19'19.50"पू		89°23'26.61"पू		
11	26°38'22.00"उ	28	26°29'55.69"उ	45	26°41'11.40"उ		
	89°13'6.91"पू		89°19'37.45"पू		89°23'12.87"पू		
12	26°36'25.36"उ	29	26°29'45.42"उ	46	26°41'33.87"उ		
	89°12'27.43"पू		89°20'14.43"पू		89°23'18.58"पू		
13	26°36'10.54"उ	30	26°30'47.28"उ	47	26°41'50.96"उ		
	89°11'51.05"पू		89°21'38.50"पू		89°22'51.26"पू		
14	26°35'49.65"उ	31	26°31'27.64"उ	48	26°42'21.15"उ		
	89°11'57.96"पू		89°22'37.07"पू		89°23'14.16"पू		

15	26°35'32.08"उ 89°11'33.65"पू	32	26°31'30.43"उ 89°25'53.74"पू	49	26°42'21.15"उ 89°23'17.99"पू		
16	26°35'14.71"उ 89°11'54.19"पू	33	26°31'32.62"उ 89°27'23.92"पू	50	26°43'3.92"उ 89°23'13.05"पू		
17	26°34'24.84"उ 89°11'57.25"पू	34	26°34'5.46"उ 89°27'22.70"पू	51	26°43'26.66"उ 89°22'38.65"पू		

उपाबंध II

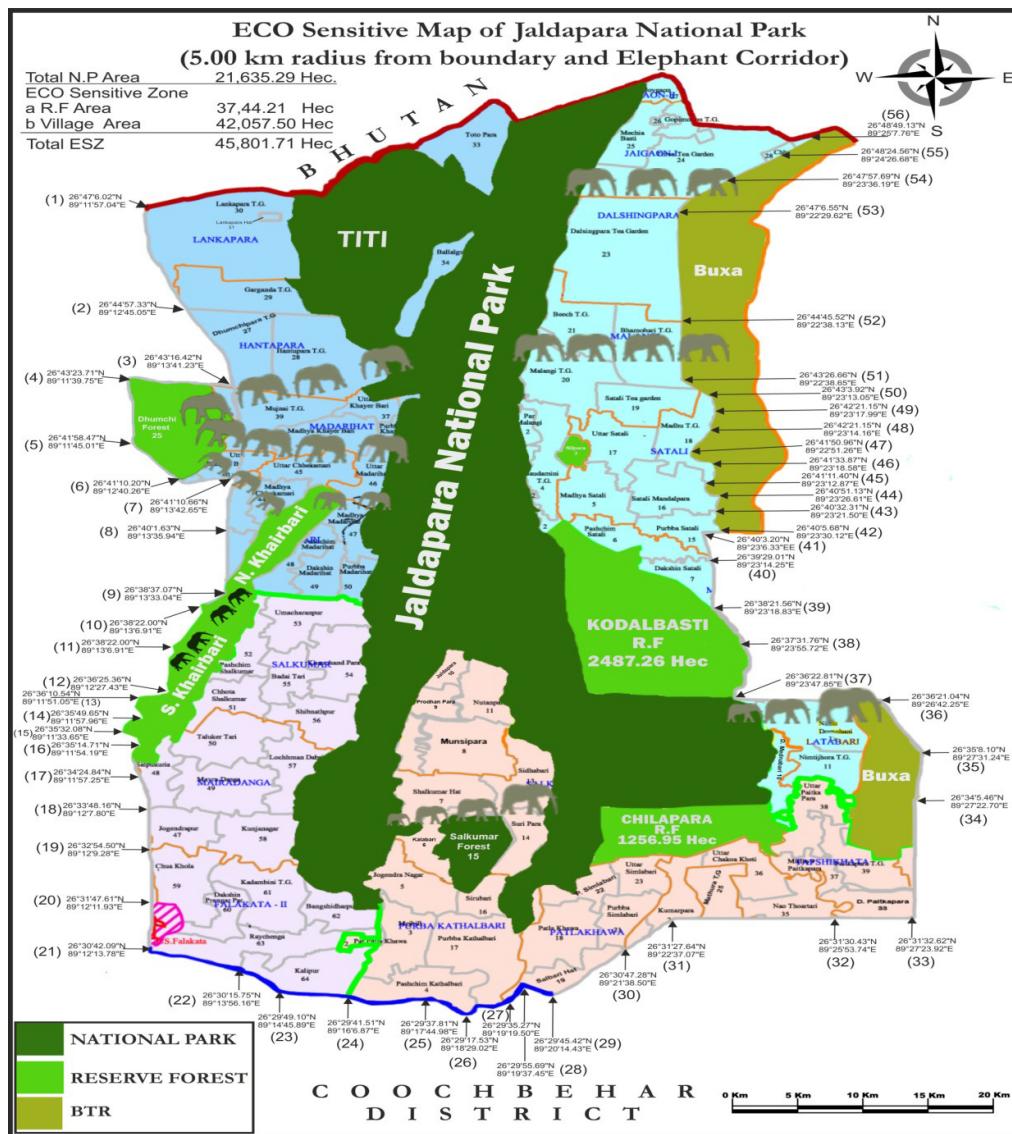
पारिस्थितिक संवेदी जोन में आने वाले ग्रामों की सूची							
हाथी गलियार को छोड़कर राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 5 कि.मी के अंतर्गत							
जलदपाड़ा राष्ट्रीय उद्यान							
क्र.सं.	ग्रामों के नाम	जे. एल सं	लेन्ड हेक्टेयर में	पुलिस स्टेशन	जनसंख्या	क्रियाकलाप	निर्देशांक
1	बल्लालगुरी	34	175.00	मदरीहट	1849	कृषि	26°46'41.46"उ 89°17'53.42"पू
2	बनश्चीधापुर	62	436.07	फलाकाटा	2247	कृषि	26°31'40.22"उ 89°15'49.11"पू
3	विंच टी.जी	21	659.09	मदरीहट	6959	चाय कारखाना	26°45'24.63"उ 89°20'41.05"पू
4	दक्षिण मदरोहट	49	327.93	मदरीहट	2229	चाय कारखाना	26°39'38.93"उ 89°15'28.82"पू
5	दलसीगपारा	23	1504.16	जाइगोन	11721	चाय कारखाना	26°47'10.82"उ 89°21'33.05"पू
6	गरगना टी.जी.	9	766.48	मदरीहट	6000	चाय कारखाना	26°46'7.66"उ 89°14'0.00"पू
7	गोपानीहोन टी.जी.	26	74.00	जाइगोन	781	चाय कारखाना	26°50'11.10"उ 89°22'36.83"पू
8	हानदापारा टी.जी.	28	1230.09	मदरीहट	12500	चाय कारखाना	26°44'48.74"उ 89°15'11.58"पू
9	जालदापारा	10	448.74	अलिपुराधुर	1037	कृषि	26°37'21.59"उ 89°18'11.27"पू
10	जोगीनद्राननगर	5	1352.87	अलिपुराधुर	2724	होटल	26°32'19.27"उ 89°17'20.00"पू
11	कादामविनी टी.जी.	61	722.04	फलाकाटा	3615	चाय कारखाना	26°32'6.59"उ 89°14'23.25"पू
12	कालावेरिया	6	472.45	अलिपुराधुर	3827	कृषि	26°33'7.86"उ 89°17'35.10"पू
13	कुत्तनदापारा	54	2885.05	फलाकाटा	4268	फर्नीचर	26°37'23.40"उ 89°15'54.57"पू
14	कुमारपारा	24	460.94	अलिपुराधुर	1823	कृषि	26°32'2.61"उ 89°22'52.30"पू
15	कुंजननगर	58	622.76	फलाकाटा	4004	होटल	26°33'27.59"उ 89°14'18.86"पू
16	लचमनदावरी	57	1258.61	फलाकाटा	4228	कृषि	26°35'6.50"उ 89°14'54.30"पू

17	लंकापारा टी.जी.	30	1275.70	विरपारा	7895	चाय कारखाना	26°47'35.50"उ 89°13'46.60"पू
18	मध्य मदारीहट	47	344.61	मदरीहट	2894	शाखा – भवन, डोलामाइट	26°40'47.76"उ 89°16'1.80"पू
19	मध्य सतली	5,6	553.07	जाइगोन	809	होटल	26°41'21.29"उ 89°21'7.39"पू
20	मालनगी टी.जी.	20	12257.78	जाइगोन	32599	चाय कारखाना	26°42'44.41"उ 89°22'56.02"पू
21	मीचाई बस्ती	25	382.29	जाइगोन	4036	कृषि	26°49'42.97"उ 89°21'51.15"पू
22	मजीबिल	3	1119.16	अलिपुराधुर	4166	आरा मिल	26°31'10.25"उ 89°17'17.04"पू
23	मुनसीपारा	8	754.60	अलिपुराधुर	5626	कृषि	26°35'27.00"उ 89°18'26.97"पू
24	पश्चिमी पारा	6	459.97	जाइगोन	1301	होटल	26°40'25.20"उ 89°21'39.87"पू
25	पश्चिमी सीमलापारा	22	137.33	अलिपुराधुर	754	कृषि	26°32'18.56"उ 89°21'8.50"पू
26	प्रधानपारा	9	1075.95	अलिपुराधुर	2979	कृषि	26°36'33.01"उ 89°17'54.77"पू
27	पुरबा खेरबरी	36	608.48	मदरीहट	1843	होटल & शाखा – भवन	26°42'57.95"उ 89°16'52.81"पू
28	सलकुमार	7	549.43	अलिपुराधुर	5434	कृषि	26°34'27.87"उ 89°17'53.20"पू
29	सिबनाथपुर	56	878.84	फलाकाटा	4342	कृषि	26°36'10.38"उ 89°15'30.93"पू
30	सीधाबरी	13	625.38	अलिपुराधुर	3941	कृषि	26°34'59.44"उ 89°19'44.97"पू
31	सिरुवारी	16	282.21	अलिपुराधुर	2035	कृषि	26°31'57.79"उ 89°18'52.08"पू
32	साउदामीनी पश्चिमी टी.जी	4	480.00	जाइगोन	5068	चाय कारखाना	26°42'6.45"उ 89°20'7.47"पू
33	सुरीपारा	14	392.94	अलिपुराधुर	3417	कृषि	26°33'35.00"उ 89°19'45.43"पू
34	टोटापारा	33	797.00	मदरीहट	2929	कृषि	26°49'40.59"उ 89°18'39.21"पू
35	उमचरणपारा	53	543.19	फलाकाटा	3208	होटल, फर्नीचर	26°38'31.32"उ 89°15'5.41"पू
36	उत्तर चाकोखेली	36	450.00	अलिपुराधुर	1251	कृषि	26°32'37.98"उ 89°24'28.76"पू
37	उत्तर खाइरबरी	37	205.61	मदरीहट	1231	होटल & शाखा – भवन	26°43'25.88"उ 89°16'32.17"पू
38	उत्तर मादारीहट	46	1061.78	मदरीहट	8699	होटल & शाखा – भवन आरा मिल	26°41'58.04"उ 89°16'26.77"पू
39	उत्तर पटकापारा	38	509.10	अलिपुराधुर	2716	चाय कारखाना	26°34'15.97"उ 89°25'40.61"पू

40	उत्तर सिमलाबारी	23	116.10	अलिपुराधुर	1287	कृषि	26°32'30.23"उ 89°22'3.39"पू
41	छोटो जयोगाँव	28	45	जाइगोन	475	कृषि	26°49'27.18"उ 89°24'52.74"पू
42	भरनोवरी टी.जी	22	673	जाइगोन	7106	चाय कारखाना	26°44'56.17"उ 89°22'14.00"पू
43	पर मालानगी	2	83.2	जाइगोन	878	कृषि	26°41'29.44"उ 89°19'54.75"पू
44	दक्षिण सतली	7	256	कलचिनी	2703	कृषि	26°39'35.43"उ 89°23'4.31"पू
45	दक्षिण मदेनाबरी	10	187	कलचिनी	1974	कृषि	26°34'59.21"उ 89°24'54.15"पू
46	नीमती दोमोहानी	12	617.47	कलचिनी	6520	कृषि	26°35'55.84"उ 89°25'56.63"पू
47	नीमती झोरा टी.जी	11	322	कलचिनी	3400	चाय कारखाना	26°35'5.55"उ 89°25'55.04"पू
48	मध्य पटेकापारा	37	230	अलिपुराधुर	2428	कृषि	26°32'43.13"उ 89°25'24.56"पू
49	पूरबा सीलमाबरी	21	250	अलिपुराधुर	2640	कृषि	26°31'43.14"उ 89°21'41.83"पू
50	पटलाखावा	18	553	अलिपुराधुर	5839	कृषि	26°31'9.61"उ 89°20'27.53"पू
51	पुरवा कथलीबरी	17	823	अलिपुराधुर	8690	कृषि	26°30'53.00"उ 89°18'31.58"पू
52	नतूनपारा	11	387	अलिपुराधुर	4086	कृषि	26°36'46.02"उ 89°18'53.01"पू
53	पर पटलाखावा	2	75.4	अलिपुराधुर	796	कृषि	26°31'1.20"उ 89°16'13.01"पू
54	मेरादानग	49	654	फलाकाटा	6906	कृषि	26°34'37.70"उ 89°13'26.46"पू
55	बादार्ती	55	342	फलाकाटा	3611	कृषि	26°37'10.16"उ 89°14'48.54"पू
56	पुरवा मेदानाबरी	50	165	मदरीहट	1742	कृषि	26°39'28.47"उ 89°16'9.96"पू
57	मध्य चेकामरी	44	231	मदरीहट	2439	कृषि	26°41'30.95"उ 89°14'38.24"पू
58	उत्तर रंगलबजना	40	145	मदरीहट	1531	कृषि	26°42'6.07"उ 89°13'30.45"पू
59	मध्य खारीबरी	38	473	मदरीहट	4994	कृषि	26°42'53.17"उ 89°15'45.75"पू
60	मुजनाई टी.जी	39	559	मदरीहट	5903	चाय कारखाना	26°43'19.43"उ 89°14'35.15"पू
61	लंकामाराहट	31	21.4	मदरीहट	225	कृषि	26°47'57.31"उ 89°14'27.02"पू

उपांचंद-III

जलदपाडा राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिक संवेदी जोन का अक्षांश और देशांतर सहित मानचित्र



उपांचंद-IV

पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति - की गई कार्यवाई की रिपोर्ट का रूप विद्यान

- बैठकों की संख्या और तिथि ।
- बैठकों का कार्यवृत्त : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें। बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुबंध में उपाबद्ध करें।
- आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्राप्ति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना।
- भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए व्यौहार किए गए मामलों का सारांश ।

5. पर्यावरण समाधात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश। ब्यौरे एक पृथक् उपावंथ के रूप में उपावद्ध किए जा सकते हैं।
6. पर्यावरण समाधात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश। ब्यौरे एक पृथक् उपावंथ के रूप में उपावद्ध किए जा सकते हैं।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th March, 2016

S.O. 1247(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in.

Draft Notification

Whereas, the Jaldapara National Park located in Alipurduar District, West Bengal is spread over an area of 234.51 square kilometres.

And whereas, the flora and fauna represent rich biological significance of this Sanctuary.

And whereas, it is necessary to conserve and protect the area the extent and boundaries of which is specified in paragraph 1 of this notification around the protected area of Jaldapara National Park as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies the area to an extent upto five kilo metre around the boundary of the Jaldapara National Park in the State of West Bengal as the Jaldapara National Park Eco-sensitive Zone (herein after referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone.**—(1) The Eco-sensitive Zone is spread over an area of 458 square kilometres with an extent upto 5.0 kilo meter around the Jaldapara National Park and the boundary description of the such zone is appended as **Annexure-I**.
 2. The list of villages falling in Eco-sensitive Zone alongwith co-ordinates of prominent points is appended as **Annexure-II**.
 3. The map of the Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes is appended as **Annexure-III**.
2. **Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone.**—(1) The State Government shall, for the purpose of the Eco-sensitive Zone prepare, a Zonal Master Plan, within a period of two years from the date of publication of final notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification.
 - (2) The said Plan shall be approved by the competent authority in the State Government.
 - (3) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such a manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.
 - (4) The said Master Plan shall be prepared in consultation with all concerned State Departments, namely:-

- (i) Environment,
- (ii) Forest,
- (iii) Urban Development,
- (iv) Tourism,
- (v) Municipal,
- (vi) Revenue,
- (vii) Agriculture,
- (viii) West Bengal State Pollution Control Board,
- (ix) Irrigation,
- (x) Public Works Department,

for integrating environmental and ecological considerations into it.

(5) The Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(6) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that needs attention.

(7) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, village and urban settlements, types and kinds of forests, tribal areas, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies.

(8) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone so as to ensure eco-friendly development for livelihood security of local communities.

3. Measures to be taken by State Government.—The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:—

(1) **Land use.**—Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or industrial related development activities:

Provided that the conversion of agricultural lands within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the State Government, to meet the residential needs of local residents, and for the activities listed against serial numbers 10, 21, 31, 36 and 37 in column (2) of the Table in paragraph 4, namely:—

- (i) Eco-friendly cottages for temporary occupation of tourists, such as tents, wooden houses, etc. for eco-friendly tourism activities;
- (ii) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- (iii) small scale industries not causing pollution;
- (iv) 36 rainwater harvesting; and
- (v) 35 cottage industries including village industries, convenience stores and local amenities:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph:

Provided also that there shall be no consequential reduction in green area, such as forest area and agricultural area and efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas.

(2) **Natural springs.**—The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism.**—(a) The activity relating to tourism within the Eco-sensitive Zone shall be as per Tourism Master Plan, which shall form part of the Zonal Master Plan.

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by Department of Tourism Government of West Bengal in consultation with Department of Revenue, Forest and Environment of the State Government.

(c) The activity of tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority, (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development and based on carrying capacity study of the Eco-sensitive Zone;

(ii) new construction of hotels and resorts shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the Jaldapara National Park except for accommodation for temporary occupation of tourists related to eco-friendly tourism activities:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected areas till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be permitted only in pre-designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(iii) till the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee.

(4) **Natural heritage.**—All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and preserved and plan shall be drawn up for their protection and conservation, within six months from the date of publication of this notification and such plan shall form part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.**—Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic and cultural significance shall be indentified in the Eco-sensitive Zone and plans for their conservation shall be prepared within six months from the date of publication of this notification and incorporated in the Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.**—The Environment Department of the State Government or West Bengal State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981(14 of 1981) and the rules made thereunder.

(7) **Air pollution.**—The Environment Department of the State Government or West Bengal State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of air pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) **Discharge of effluents.**—The discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974)and the rules made thereunder.

(9) **Solid wastes..**— Disposal of solid wastes shall be as under:-

(i) the solid waste disposal in Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules, 2000 published by the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests *vide* notification number S.O. 908 (E), dated the 25th September, 2000 as amended from time to time;

(ii) the local authorities shall draw up plans for the segregation of solid wastes into biodegradable and non-biodegradable components;

(iii) the biodegradable material shall be recycled preferably through composting or vermiculture;

(iv) the inorganic material may be disposed in an environmentally acceptable manner at site(s) identified outside the Eco-sensitive Zone and no burning or incineration of solid wastes shall be permitted in the Eco-sensitive Zone.

(10) **Bio-medical waste.**—The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Bio-Medical Waste (Management and Handling) Rules, 1998 published by the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests *vide* notification number S.O. 630(E), dated the 20th July, 1998 as amended from time to time.

(11) **Vehicular traffic..**—The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the

Zonal Master Plan is prepared and approved by the competent authority in the State Government, Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(12) **Industrial units.**—(a) No establishment of new wood based industries within the proposed Eco-sensitive Zone shall be permitted except the existing wood based industries set up as per the law.

(b) No establishment of any new industry causing water, air, soil, noise pollution within the proposed Eco-sensitive Zone shall be permitted.

4. **List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone.**—All activities in the Eco-sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made thereunder, and be regulated in the manner specified in the table below, namely:—

TABLE

Sl. No.	Activity	Remarks
(1)	(2)	(3)
Prohibited activities		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) New mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited except for the domestic needs of <i>bona fide</i> local residents with reference to digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing for personal use. (b) The mining operations shall strictly be in accordance with the orders of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. Union of India in Writ Petition (Civil) No. 202 of 1995 and order of the Hon'ble Supreme Court dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. Union of India in Writ Petition (Civil) No. 435 of 2012.
2.	Setting up of saw mills.	No new or expansion of existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
3.	Use or production of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
4.	Setting up of industries causing water or air or soil or noise pollution.	No new or expansion of polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall be permitted.
5.	Establishment of new major thermal and hydro-electric projects.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
6.	Commercial use of firewood.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
7.	Use of plastic bags.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
8.	Undertaking activities related to tourism like over-flying the national park area by aircraft, hot-air balloons.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
9.	Discharge of untreated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
Regulated activities		
10.	Establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area except for accommodation for temporary occupation of tourists related to eco-friendly tourism activities. However, beyond one kilometer and upto the extent of the Eco-sensitive Zone all new tourism activities or expansion of existing activities would be in conformity with the Tourism

		Master Plan and National Tiger Conservation Authority guidelines.
11.	Construction activities.	<p>a) No new commercial construction of any kind shall be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area:</p> <p>Provided that local people shall be permitted to undertake construction in their land for residential use including the activities listed in sub-paragraph (1) of paragraph 3:</p> <p>(b) The construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any.</p> <p>(c) Beyond one kilometer upto the extent of Eco-sensitive Zone construction for bone fide local needs shall be allowed and other construction activities shall be regulated as per Zonal Master Plan.</p> <p>(d) Construction activity in the Eco-sensitive Zone shall be as per Zonal Master Plan.</p>
12.	Trenching ground.	Establishing of new trenching ground is prohibited. Old trenching grounds are to be regulated under applicable laws.
13.	Discharge of treated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Regulated under applicable laws.
14.	Air and vehicular pollution.	Regulated under applicable laws.
15.	Noise pollution.	Regulated under applicable laws.
16.	Extraction of ground water.	Regulated under applicable laws.
17.	Felling of trees.	<p>(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government;</p> <p>(b) the felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Acts and the rules made thereunder.</p> <p>(c) in case of Reserve Forests and Protected Forests the Working Plan prescriptions shall be followed.</p>
18.	Migratory graziers.	Regulated under applicable laws and as per Zonal Master Plan.
19.	Existing establishments.	Regulated under applicable laws.
20.	Insulation of electric lines.	Promote underground cabling. All existing electric lines passing through the Eco-sensitive Zone shall be adequately insulated in the time frame prescribed under the Zonal Master Plan.
21.	Widening and strengthening of existing roads.	Shall be done with proper Environment Impact Assessment and mitigation measures, as applicable.
22.	Fencing of existing premises of hotels and lodges.	<p>Regulated under applicable laws.</p> <p>In order to allow free movement of wildlife, hotels or other commercial establishments within the Eco-sensitive Zone shall not fence their properties with barbed wire and no fence shall be higher than one meter. Any existing fence not complying with this stipulation shall be modified as per the time lines mentioned in the Zonal Master Plan.</p>
23.	Public rights.	Regulated under applicable laws.

24.	Collection of small Fodder.	Regulated under applicable laws.
25.	Drastic change of Agriculture system	Regulated under applicable laws.
26.	Commercial use of natural water resource including ground water harvesting.	Regulated under applicable laws.
27.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated under applicable laws.
28.	Introduction of exotic species.	Regulated under applicable laws.
29.	Sign board and hoardings.	Regulated under applicable laws.
30.	Protection of hill slopes and river banks.	No construction activity unless otherwise permitted under the Zonal Master Plan shall be undertaken on the hill with slopes more than 1 to 10 and also upto 100 meters from the banks of any river, and natural nallah.
31.	Small scale industries not causing pollution.	Non polluting, non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous goods from the Eco-sensitive Zone, and which do not cause any adverse impact on environment shall be permitted.
Permitted activities		
32.	On going agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Shall be actively promoted.
33.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
34.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
35.	Cottage industries including village artisans.	Shall be actively promoted.
36.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
37.	Use of renewable energy sources.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.— The Central Government for effective monitoring of the Eco-sensitive Zone, Monitoring, which shall comprise of the following, namely:-

- i) Deputy Commissioner, Alipurduar -Chairman;
- ii) An expert in the area of ecology and environment to be nominated by the Government of West Bengal for a period of one year. -Member;
- iii) One representatives of Non-governmental Organisation (working in the field of environment including heritage conservation) to be nominated by the Government of India for a period of one year. -Member;
- iv) Executive Engineer, West Bengal Pollution Control Board - -Member;
- v) Divisional Forest Officer (Buxa Tiger Reserve) -Member;
- vi) Divisional Forest Officer (Jaldapara) -Member;
- vii) Chief Conservator of Forests -Member-Secretary.

6. Terms of Reference.—(1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

- (2) The activities that are covered in the schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except the prohibited activities as specified of the table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (3) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006 but are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (4) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Collector or the concerned Park in-charge shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (5) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (6) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on 31st March of every year by 30th June of that year to State Government as per pro forma given in Annexure IV.
- (7) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification shall subject to the orders, if any, passed, or to be passed, by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal.

[F. No. 25/175/2015-ESZ-RE]

Dr. T. CHANDINI, Scientist 'G'

ANNEXURE-I

Geo-coordinates at Four Corners along Boundary of ESZ

Coordinates of Boundary Eco-sensitive Zone Jaldapara National Park						
1	26°47'6.02"N	18	26°33'48.16"N	35	26°35'8.10"N	52
	89°11'57.04"E		89°12'7.80"E		89°27'31.24"E	
2	26°44'57.33"N	19	26°32'54.50"N	36	26°36'21.04"N	53
	89°12'45.05"E		89°12'9.28"E		89°26'42.25"E	
3	26°43'16.42"N	20	26°31'47.61"N	37	26°36'22.81"N	54
	89°13'41.23"E		89°12'11.93"E		89°23'47.85"E	
4	26°43'23.71"N	21	26°30'42.09"N	38	26°37'31.76"N	55
	89°11'39.75"E		89°12'13.78"E		89°23'55.72"E	
5	26°41'58.47"N	22	26°30'15.75"N	39	26°38'21.56"N	56
	89°11'45.01"E		89°13'56.16"E		89°23'18.83"E	
6	26°41'10.20"N	23	26°29'49.10"N	40	26°39'29.01"N	
	89°12'40.26"E		89°14'45.89"E		89°23'14.25"E	
7	26°41'10.66"N	24	26°29'41.51"N	41	26°40'3.20"N	
	89°13'42.65"E		89°16'6.87"E		89°23'6.33"EE	

8	26°40'1.63"N 89°13'35.94"E	25	26°29'37.81"N 89°17'44.98"E	42	26°40'5.68"N 89°23'30.12"E		
9	26°38'37.07"N 89°13'33.04"E	26	26°29'17.53"N 89°18'29.02"E	43	26°40'32.31"N 89°23'21.50"E		
10	26°38'22.00"N 89°13'6.91"E	27	26°29'35.27"N 89°19'19.50"E	44	26°40'51.13"N 89°23'26.61"E		
11	26°38'22.00"N 89°13'6.91"E	28	26°29'55.69"N 89°19'37.45"E	45	26°41'11.40"N 89°23'12.87"E		
12	26°36'25.36"N 89°12'27.43"E	29	26°29'45.42"N 89°20'14.43"E	46	26°41'33.87"N 89°23'18.58"E		
13	26°36'10.54"N 89°11'51.05"E	30	26°30'47.28"N 89°21'38.50"E	47	26°41'50.96"N 89°22'51.26"E		
14	26°35'49.65"N 89°11'57.96"E	31	26°31'27.64"N 89°22'37.07"E	48	26°42'21.15"N 89°23'14.16"E		
15	26°35'32.08"N 89°11'33.65"E	32	26°31'30.43"N 89°25'53.74"E	49	26°42'21.15"N 89°23'17.99"E		
16	26°35'14.71"N 89°11'54.19"E	33	26°31'32.62"N 89°27'23.92"E	50	26°43'3.92"N 89°23'13.05"E		
17	26°34'24.84"N 89°11'57.25"E	34	26°34'5.46"N 89°27'22.70"E	51	26°43'26.66"N 89°22'38.65"E		

ANNEXURE-II

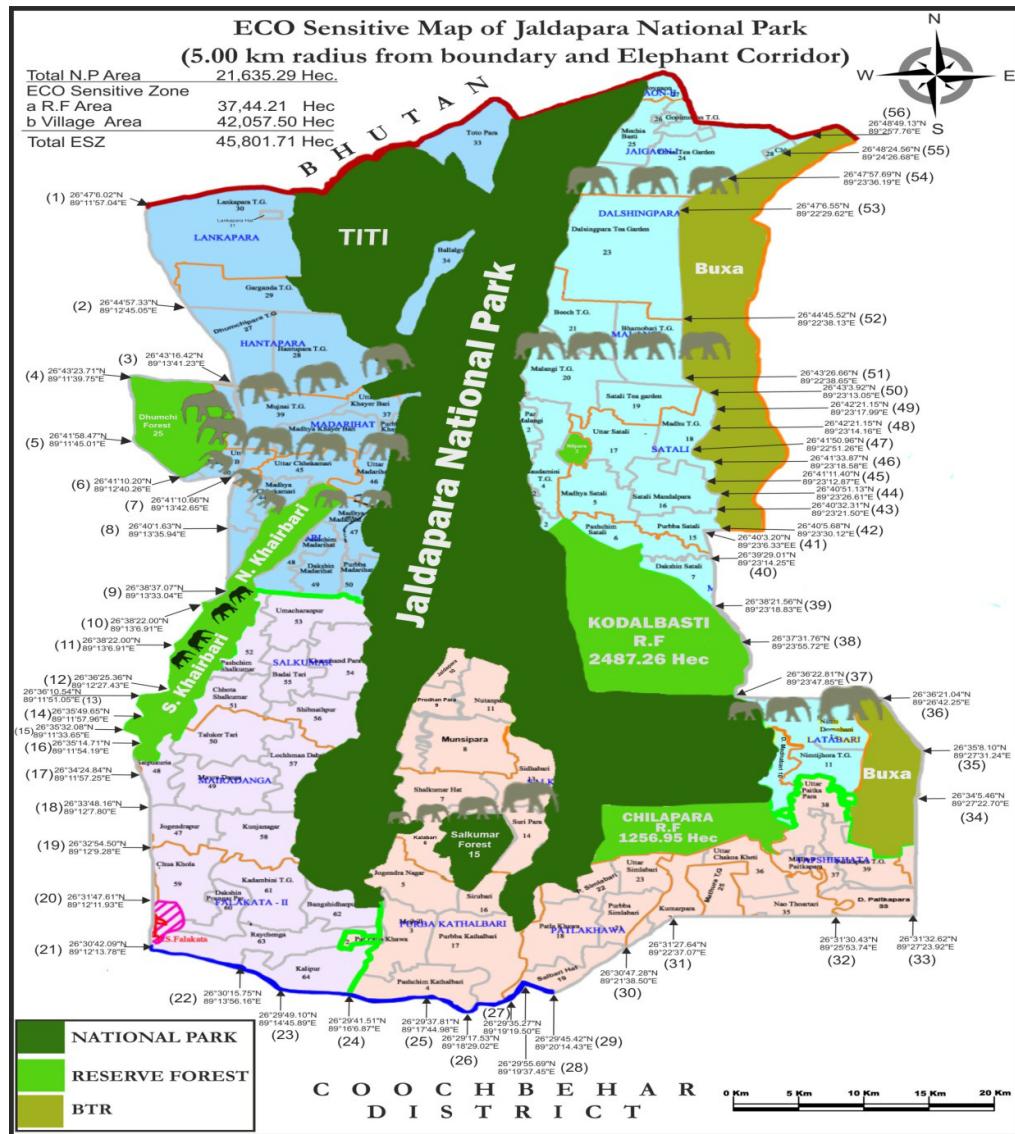
List of Village in Eco Sensitive Zone							
Within 5 km from the boundary of National Park except Elephant corridor							
Jaldapara National Park							
SL. No	Village Name	Sl. No.	Area in Hec.	Police Station	Population	Activity	Coordinates
1	Ballalguri	34	175.00	Madarihat	1849	Agriculture	26°46'41.46"N 89°17'53.42"E
2	Banshidharpur	62	436.07	Falakata	2247	Agriculture	26°31'40.22"N 89°15'49.11"E
3	Beech T.G.	21	659.09	Madarihat	6959	Tea Factory	26°45'24.63"N 89°20'41.05"E
4	Dakshin Madarihat	49	327.93	Madarihat	2229	Tea Factory	26°39'38.93"N 89°15'28.82"E
5	Dalsingpara T.G.	23	1504.16	Jaigaon	11721	Tea Factory	26°47'10.82"N 89°21'33.05"E
6	Garganda T.G.	9	766.48	Madarihat	6000	Tea Factory	26°46'7.66"N 89°14'0.00"E
7	Gopimohon T.G.	26	74.00	Jaigaon	781	Tea Factory	26°50'11.10"N 89°22'36.83"E
8	Hantapara T.G.	28	1230.09	Madarihat	12500	Tea Factory	26°44'48.74"N 89°15'11.58"E
9	Jaldapara	10	448.74	Alipurduar	1037	Agriculture	26°37'21.59"N 89°18'11.27"E
10	Jogendranagar	5	1352.87	Alipurduar	2724	Hotel	26°32'19.27"N 89°17'20.00"E

11	Kadambini T.G.	61	722.04	Falakata	3615	Tea Factory	26°32'6.59"N 89°14'23.25"E
12	Kalaberia	6	472.45	Alipurduar	3827	Agriculture	26°33'7.86"N 89°17'35.10"E
13	Khauchandpara	54	2885.05	Falakata	4268	Furniture	26°37'23.40"N 89°15'54.57"E
14	Kumarpara	24	460.94	Alipurduar	1823	Agriculture	26°32'2.61"N 89°22'52.30"E
15	Kunjanagar	58	622.76	Falakata	4004	Hotel	26°33'27.59"N 89°14'18.86"E
16	Lachmandabri	57	1258.61	Falakata	4228	Agriculture	26°35'6.50"N 89°14'54.30"E
17	Lankapara T.G.	30	1275.70	Birpara	7895	Tea Factory	26°47'35.50"N 89°13'46.60"E
18	Madhya Madarihat	47	344.61	Madarihat	2894	Lodge, Dolomite Factory, Furniture	26°40'47.76"N 89°16'1.80"E
19	Madhya Satali	5, 6	553.07	Jaigaon	809	Hotel	26°41'21.29"N 89°21'7.39"E
20	Malangi T.G.	20	12257.78	Jaigaon	32599	Tea Factory	26°42'44.41"N 89°22'56.02"E
21	Mechia Basti	25	382.29	Jaigaon	4036	Agriculture	26°49'42.97"N 89°21'51.15"E
22	Mejbill	3	1119.16	Alipurduar	4166	Saw Mill	26°31'10.25"N 89°17'17.04"E
23	Munsipara	8	754.60	Alipurduar	5626	Agriculture	26°35'27.00"N 89°18'26.97"E
24	Paschim Satali	6	459.97	Jaigaon	1301	Hotel	26°40'25.20"N 89°21'39.87"E
25	Paschim simlabari	22	137.33	Alipurduar	754	Agriculture	26°32'18.56"N 89°21'8.50"E
26	Pradhanpara	9	1075.95	Alipurduar	2979	Agriculture	26°36'33.01"N 89°17'54.77"E
27	Purba Khairbari	36	608.48	Madarihat	1843	Hotel & Lodge	26°42'57.95"N 89°16'52.81"E
28	Salkumar	7	549.43	Alipurduar	5434	Agriculture	26°34'27.87"N 89°17'53.20"E
29	Sibnathpur	56	878.84	Falakata	4342	Agriculture	26°36'10.38"N 89°15'30.93"E
30	Sidhabari	13	625.38	Alipurduar	3941	Agriculture	26°34'59.44"N 89°19'44.97"E
31	Sirubari	16	282.21	Alipurduar	2035	Agriculture	26°31'57.79"N 89°18'52.08"E
32	Soudamini T.G	4	480.00	Jaigaon	5068	Tea Factory	26°42'6.45"N 89°20'7.47"E
33	Suripara	14	392.94	Alipurduar	3417	Agriculture	26°33'35.00"N 89°19'45.43"E
34	Totopara	33	797.00	Madarihat	2929	Agriculture	26°49'40.59"N 89°18'39.21"E
35	Umacharanpur	53	543.19	Falakata	3208	Hotel, Furniture	26°38'31.32"N 89°15'5.41"E
36	Uttar Chakoakheti	36	450.00	Alipurduar	1251	Agriculture	26°32'37.98"N 89°24'28.76"E

37	Uttar Khairbari	37	205.61	Madarihat	1231	Hotel & Lodge	26°43'25.88"N 89°16'32.17"E
38	Uttar Madarihat	46	1061.78	Madarihat	8699	Hotel & Lodge, Saw Mill	26°41'58.04"N 89°16'26.77"E
39	Uttar Patkapara	38	509.10	Alipurduar	2716	Tea Factory	26°34'15.97"N 89°25'40.61"E
40	Uttar simlabari	23	116.10	Alipurduar	1287	Agriculture	26°32'30.23"N 89°22'3.39"E
41	Choto Joygaon	28	45	Jaigaon	475	Agriculture	26°49'27.18"N 89°24'52.74"E
42	Bharnobari T.g	22	673	Jaigaon	7106	Tea Factory	26°44'56.17"N 89°22'14.00"E
43	Par Malangi	2	83.2	Jaigaon	878	Agriculture	26°41'29.44"N 89°19'54.75"E
44	Dakshin Satali	7	256	Kalchini	2703	Agriculture	26°39'35.43"N 89°23'4.31"E
45	Dakshin Mednabari	10	187	Kalchini	1974	Agriculture	26°34'59.21"N 89°24'54.15"E
46	Nimti Domohoni	12	617.47	Kalchini	6520	Agriculture	26°35'55.84"N 89°25'56.63"E
47	Nimti Jhora T.G	11	322	Kalchini	3400	Tea Factory	26°35'5.55"N 89°25'55.04"E
48	Madhya Paitkapara	37	230	Alipurduar	2428	Agriculture	26°32'43.13"N 89°25'24.56"E
49	Purba Simlabari	21	250	Alipurduar	2640	Agriculture	26°31'43.14"N 89°21'41.83"E
50	Patlakhawa	18	553	Alipurduar	5839	Agriculture	26°31'9.61"N 89°20'27.53"E
51	Purba Kathalbari	17	823	Alipurduar	8690	Agriculture	26°30'53.00"N 89°18'31.58"E
52	Natunpara	11	387	Alipurduar	4086	Agriculture	26°36'46.02"N 89°18'53.01"E
53	Par Patlakhawa	2	75.4	Alipurduar	796	Agriculture	26°31'1.20"N 89°16'13.01"E
54	Mairadanga	49	654	Falakata	6906	Agriculture	26°34'37.70"N 89°13'26.46"E
55	Badaitari	55	342	Falakata	3611	Agriculture	26°37'10.16"N 89°14'48.54"E
56	Purba Madarihat	50	165	Madarihat	1742	Agriculture	26°39'28.47"N 89°16'9.96"E
57	Madhya Chekamari	44	231	Madarihat	2439	Agriculture	26°41'30.95"N 89°14'38.24"E
58	Uttar Rangalibazna	40	145	Madarihat	1531	Agriculture	26°42'6.07"N 89°13'30.45"E
59	Madhya Khairbari	38	473	Madarihat	4994	Agriculture	26°42'53.17"N 89°15'45.75"E
60	Mujnai T.G	39	559	Madarihat	5903	Tea Factory	26°43'19.43"N 89°14'35.15"E
61	Lankapara Hat	31	21.4	Madarihat	225	Agriculture	26°47'57.31"N 89°14'27.02"E

ANNEXURE-III

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF JALDAPARA NATIONAL PARK WITH LATITUDES AND LONGITUDES



ANNEXURE-IV**Performa of Action Taken Report:—Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.—**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: mention main noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise).
[Details may be attached as Annexure]
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006.
[Details may be attached as separate Annexure]
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006.
[Details may be attached as separate Annexure]
7. Summary of complaints ledged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.